

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I---खण्ड 1 PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित



सं० 143]

नई बिल्ली, शुक्रवार, धगस्त 28, 1970/भाव 6, 1892

No. 143]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 28, 1970/BHADRA 6, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RESOLUTION

New Delhi, the 28th August 1970

No. 8/136/68-P.I. (Pers.I).—The Government of India have from time to time taken steps for the modernisation of systems, methods and organisation of the police in the country. In 1963 when the Central Bureau of Investigation was set up, a Crime Records and Statistics Division and a Research Division were established in it. In 1966 a Police Research and Advisory Council was constituted to oversee, guide and direct the functioning of the Research Division of the Central Bureau of Investigation. In furtherance of the objective of modernisation, the Government of India have now decided to set up with immediate effect a Bureau of Police Research and Develorment in the Ministry of Home Affairs with a view to taking a more direct and active interest in the matter and to promoting a speedy and systematic study of police problems in a changing society and bringing about rapid application of science and technology to the methods and techniques of the police in the country.

The Bureau of Police Research and Development will have the following Divisions:—

- (I) Research, Statistics and Publications.
- (II) Development,

The Charter of Functions of the abovesaid Divisions will be as laid down in the Annexure.

The Research Division will identify the needs and problems of the police services in the country and initiate, stimulate and guide research in this field in co-ordination with various institutions, Organisations, Ministries, Universities, Chiefs of Research Institutes. Inspectors General of Police of States and other agencies and individuals interested in the subject.

The Development Division will keep abreast with developments in the application of science and technology to police work in the India and other countries, and study new procedures and methodologies with a view to promoting the introduction of suitable equipment and techniques in police work in India.

The Bureau will conduct tests the results of which will be circulated to the State Police forces for information and appropriate action.

Besides advising the Government of India, the Bureau will if required by the State Governments advise them on matters falling within the field of its operations.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments/Union territories Administrations; Director, Intelligence Bureau; Director, Central Bureau of Investigation; Director General, Border Security Force; Director General, Central Reserve Police; Director, National Police Academy; Commandant, Central Forensic Institutes; all Ministries/Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ANNEXURE

I. RESEARCH, STATISTICS AND PUBLICATIONS DIVISION:

- 1. Analysis and study of crime and problems of general nature affecting the police, e.g.
 - (a) Trends and causes of crime;
 - (b) Prevention of crime—preventive measures, their effectiveness and relationship with crime;
 - (c) Organisation, administration, methods and techniques of police forces and their modernisation;
 - (d) Improvements in methods of investigation, utility and results of introducing scientific aids and equipment;
 - (e) Inadequacy of laws; and
 - (f) Juvenile delinquency.
- 2. Assistance in police research programmes in States, processing and coordination of research projects; sponsoring extra-mural research.
 - 3. Work relating to Police Research Advisory Council.
- 4. Participation in and convening of Conferences and Seminars relating to study of police problems.
 - 5. Participation in social defence and crime prevention programmes.
- 6. Participation in the work of the United Nations in the field of prevention of crime and treatment of offenders.
 - 7. Organisation of training courses in the research field.
 - 8. Maintenance of all India statistics of crime.
 - 9. Statistical analysis of trends of crime.
 - -10. Documentation relating to police science and criminology.
 - 11. Publication of-
 - (i) Research Reports, Newsletters and Research and Development Journal.
 - (ii) Crime in India.
 - (iii) Reports and Reviews relating to suicides, accidents, losses and recoveries of property and other information of police interest.

II. DEVELOPMENT DIVISION:

- 1. Review of the performance of various types of equipment used by the Police forces in India and development of new equipment in the following fields:—
 - (i) Arms and Ammunition;
 - (ii) Riot Control Equipment;
 - (iii) Traffic Control Equipment;
 - (iv) Police Transport; and
 - (v) Miscellaneous Scientific Equipment including aids to investigation.
- 2. Liaison with the National Laboratories, other scientific organisations and institutions and Public and private sector Undertakings in the above fields, coordination of development programmes and stimulating indigenous production of police equipment.
 - 3. Application of computor technology in various fields of police work.
- 4. Participation in the work of the Central Forensic Science Advisory Committee.
- 5. Work relating to the establishment of the Central Medico-Legal Institute and the Central Institute of Criminology and Forensic Sciences.
- 6. Convening of Biennial All India Identification Officers Conference and other Conferences and Seminars to discuss the application of science and technology to police work.
- 7. Work relating to the Permanent Committee of the Inspectors General of Police Conference on Riot Control Equipment.

L. P. SINGH, Secy.

गृह मंत्रालय

संकल्प

नई बिल्ली, 28 ग्रगस्त, 1970

पूलिस प्रनुसंधान तथा विकास ब्यूरो में निम्नलिखित प्रभाग होंगे:---

- (i) भ्रनुसंधान, सांख्यिकी तथा प्रकाशन
- (ii) विकास

उपर्युक्त प्रभागों के कृत्यों का चार्टर ऐसा होगा, जैसा उपाबन्ध में नियत किया गया है।

श्रनुसंघान प्रभाग इस बात का पता लगाएगा कि देश की पुलिस-सेवाघों की श्रावश्यकताएं सथा समस्याएं क्या हैं श्रीर विभिन्न संस्थाओं, संगठनों, मंत्रालयों, विश्वविद्यालयों, श्रनुसंधान संस्थानों के प्रधानों, राज्यों के पुलिस महानिरीक्षकों तथा इस विषय में श्रीभरुचि रखने वाले श्रन्य श्रीभकरणों तथा व्यक्तियों के सहयोग से इस क्षेत्र में श्रनुसंधान श्रारम्भ करेगा उसे बढ़ावा देगा तथा इस सम्बन्ध में मार्ग-दर्शन करेगा।

भारत में पुलिस सम्बन्धी कार्य में यथोचित उपस्कर तथा तकनीक प्रयोग में ग्रभिवृद्धि करने की दृष्टि से, विकास प्रभाग भारत में तथा ग्रन्य देशों में पुलिस के काम में विज्ञान तथा प्रोद्योगिकी के प्रयोग में होने वाले विकास के सम्बन्ध में पूरी-पूरी जानकारी बनाए रखेगा श्रौर नई-नई प्रक्रियाश्रों तथा कार्य पद्धतियों का श्रध्ययन करेगा ।

ब्यूरों जो परीक्षण करेगा. उन के परिणाम जानकारी तथा समुचित कार्य<mark>धाई के लिए राज्य</mark> पुलिस बलों में परिचालित किए जाएंगे।

भारत सरकार को सलाह देने के श्रतिरिक्त यह ब्यूरो यदि राज्य सरकारों द्वारा वैसी श्रपेक्षा की जाये तो, उन्हें उन मामलों में सलाह देगा जो ब्यूरों के कार्य-क्षेत्र में श्राते हैं।

मावेश

श्रादेश दिया गया कि इस संकल्प की एक प्रिप्त सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों: निदेशक, खुफिया ब्यूरों: निदेशक, केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यूरों: महानिर्देशक, सीमा सुरक्षा बल: महा निदेशक, केन्द्रीय रिजव पुलिस: निदेशक, राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी: समादेशक, केन्द्रीय न्याय वैधक संस्थान: भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेजी जाय ।

यह भी श्रादेश दिया गया हैं कि यह संकल्प जनसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत में प्रकाशित किया जाए।

उपावन्य

I--- मनुसंधान, सांख्यिकी ग्रीर प्रकाशन प्रिभागः

- 1. अपराध तथा पुलिस को प्रभावित करने वाली सामान्य प्रकृति की समस्याभ्यों का विश्लेषण तथा भ्रष्टगयन, उदाहरण के लिए—
 - (क) भ्रपराध की प्रवृत्तियों श्रौर कारण;
 - (ख) श्रपराध की रोकथाम—रोकथाम के उपाय, उनकी प्रभावकारिता भौर श्रपराध के संबंध;
 - (ग) पुलिस बलों का संगठन, प्रशासन, कार्य-पद्धितयां भ्रीर तकनीक श्रीर उनका ग्राधु-नीकरण;
 - (घ) श्रन्वेषण की पद्धति में सुधार, वैज्ञानिक सहायक-साधनों ग्रौर उपस्कर का प्रयोग करने की उपयोगिता तथा परिणाम;
 - (ङ) विधियों की ग्रपर्याप्ता; ग्रीर
 - (च) किशोर श्रपचार ।

- राज्यों में पुलिस स्रनुसंघान कार्यक्रमों में सहायता, अनुसंघान परियोजनाओं का कार्यान्यन और समन्वय, क्षेत्र के बाहर के अनुसंधान का प्रायोजन ।
 - पुलिस ग्रन्संघान मलाहकार परिषद् सम्बन्धों कार्य ।
- पुलिस की समस्याम्रों के मध्ययन के सम्बन्ध में सम्मेलनों भौर सेमिनारों में भाग लेना तथा उचका मायोजन ।
 - 5. सामाजिक प्रतिरक्षा भौर भ्रपराध की रोकथाम सम्बन्धी कायकमों में भाग लेना ।
- 6. प्रपराध की रोकयाम तथा अपराधियों के साथ व्यवहार के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्य में भाग लेना ।
 - 7. अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षण पाठ्यवर्याओं का संगठन ।
 - 8. भपराध विषयक मखिल भारतीय म्रांकडे रखना ।
 - 9 ग्रापराध-प्रवृत्तियों का सांख्यिकीय विश्लेषण ।
 - 10. पूलिस-विज्ञान भौर भ्रपराध-विज्ञान के सम्बन्ध में दस्तावेजी प्रमाणन ।
 - 11. निम्नलिखित का प्रकाशन---
 - (i) अनुसंधान रिपोर्ट, कृतपत्र तथा अनुसंधान और विकास पत्रिका ।
 - (ii) भारत में प्रपराध
 - (iii) ब्रात्म हत्या, दुर्षेटना, सम्पत्ति की हानि तथा उसका प्रत्युद्धरण भीर पुलिस की रुचि वाली श्रन्य जानकारी विषयक रिपोर्ट ग्रीर समीक्षाएं।

II---विकास प्रभाग

- भारत में पुलिस बलों द्वारा प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के उपस्कर के कार्यकरण श्रीर निम्निलिखित क्षेत्रों में नए उपस्कर के विकास का पूर्निवलोकनः
 - (i) भ्रायुध भ्रौर गोला-बारुद;
 - (ii) बस्वा नियंत्रण उपस्कर;
 - (iii) यातायात नियंत्रण उपस्कर;
 - (iv) पुलिस परिवहन; भौर
 - (V) प्रकीर्ण वैज्ञानिक उपस्कर, जिनके ग्रन्तर्गत ग्रन्वेषण के साधन भी है।
- 2. राष्ट्रीय प्रयोगणालाम्रों, म्रन्य वैज्ञानिक संगठनों तथा संस्थाम्रों भ्रौर पब्लिक तथा प्राइवेट सेक्टर के उपक्रमों के साथ, जिनका सम्बन्ध उपर्युक्त क्षेत्रों से हो, सम्पर्क स्थापित करना, विकास कार्यक्रमों का समन्वय तथा पुलिस उपस्कर के देशी उत्पादन को बढ़ावा देना।
 - 3. पूलिस के काम के विभिन्न क्षेत्रों में कम्प्यूटर प्रविधि का प्रयोग ।
 - 4. केन्द्रीय न्याय वैधक विज्ञान सलाहकार समिति के कार्य में भाग लेना ।
- 5. केन्द्रीय त्याय वैद्यक संस्थान भ्रौर केन्द्रीय भ्रपराध विज्ञान तथा त्याय वैद्यक संस्थान की स्थापना विषयक कार्य ।

- 6. पुलिस के काम में विज्ञान श्रीर प्रोद्योगिकी के प्रयोग पर विजारिकमर्श करने के लिए द्विवार्षिक प्रखिल भारतीय पहचान प्रधिकारी-सम्मेलन तथा श्रन्य सम्मेलनों भीर सेमिनारों का स्नायोजन । पहचान प्रधिकारो-सम्मेलन तथा श्रन्य सम्मेलनों भीर सेमिनारों का स्नायोजन ।
 - 7. पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन की बल्वा नियंत्रण उपस्कर स्थायी समिति सम्बन्धी क ये ।

्षल ० पी० सिंह, मचिव, भारत सरकार ।